

《论语》

英译释难 下卷

李照国著



论语
英译释难 下卷



下卷目录

子路篇第十三

| | |
|---------------|------|
| 1. 先之篇 | 1031 |
| 2. 先有篇 | 1034 |
| 3. 卫君篇 | 1038 |
| 4. 学稼篇 | 1045 |
| 5. 诵诗篇 | 1051 |
| 6. 其身篇 | 1054 |
| 7. 鲁卫篇 | 1056 |
| 8. 善居篇 | 1058 |
| 9. 庶矣篇 | 1061 |
| 10. 苟有篇 | 1064 |
| 11. 善人篇 | 1067 |
| 12. 如有篇 | 1069 |
| 13. 苟正篇 | 1072 |
| 14. 何晏篇 | 1074 |
| 15. 一言篇 | 1077 |
| 16. 近者篇 | 1082 |
| 17. 无欲篇 | 1084 |
| 18. 吾党篇 | 1086 |
| 19. 居处篇 | 1089 |

子
路
篇

子

路

篇

| | |
|------------|---------|
| 1092 | 20. 何如篇 |
| 1098 | 21. 不得篇 |
| 1101 | 22. 南人篇 |
| 1104 | 23. 和而篇 |
| 1106 | 24. 乡人篇 |
| 1109 | 25. 易事篇 |
| 1112 | 26. 泰而篇 |
| 1114 | 27. 刚毅篇 |
| 1116 | 28. 何如篇 |
| 1119 | 29. 善人篇 |
| 1122 | 30. 以不篇 |

宪
问
篇

宪问篇第十四

| | |
|---------|------|
| 1. 宪问篇 | 1127 |
| 2. 士而篇 | 1131 |
| 3. 邦有篇 | 1133 |
| 4. 有德篇 | 1135 |
| 5. 南宫篇 | 1138 |
| 6. 不仁篇 | 1141 |
| 7. 爱之篇 | 1143 |
| 8. 为命篇 | 1146 |
| 9. 惠人篇 | 1149 |
| 10. 贫而篇 | 1152 |
| 11. 孟公篇 | 1154 |
| 12. 成人篇 | 1156 |
| 13. 信乎篇 | 1161 |
| 14. 防求篇 | 1165 |
| 15. 谤而篇 | 1167 |
| 16. 召忽篇 | 1170 |
| 17. 非仁篇 | 1174 |
| 18. 同升篇 | 1178 |
| 19. 无道篇 | 1181 |
| 20. 其言篇 | 1184 |
| 21. 请讨篇 | 1186 |
| 22. 事君篇 | 1191 |
| 23. 上达篇 | 1193 |
| 24. 古之篇 | 1195 |
| 25. 使人篇 | 1197 |
| 26. 不在篇 | 1200 |

宪
问
篇

| | |
|------------|---------|
| 1202 | 27. 耻其篇 |
| 1204 | 28. 道者篇 |
| 1207 | 29. 方人篇 |
| 1209 | 30. 不患篇 |
| 1211 | 31. 不逆篇 |
| 1213 | 32. 栖栖篇 |
| 1216 | 33. 骥不篇 |
| 1218 | 34. 以德篇 |
| 1221 | 35. 莫我篇 |
| 1224 | 36. 固有篇 |
| 1228 | 37. 贤者篇 |
| 1231 | 38. 奚自篇 |
| 1234 | 39. 有心篇 |
| 1238 | 40. 高宗篇 |
| 1241 | 41. 上好篇 |
| 1243 | 42. 作己篇 |
| 1247 | 43. 幼而篇 |
| 1250 | 44. 益者篇 |

卫灵公篇

卫灵公篇第十五

| | |
|---------|------|
| 1. 祖豆篇 | 1255 |
| 2. 在阵篇 | 1257 |
| 3. 赐也篇 | 1260 |
| 4. 知德篇 | 1262 |
| 5. 无为篇 | 1264 |
| 6. 问行篇 | 1267 |
| 7. 直哉篇 | 1272 |
| 8. 可与篇 | 1275 |
| 9. 志士篇 | 1277 |
| 10. 为仁篇 | 1279 |
| 11. 为邦篇 | 1282 |
| 12. 人无篇 | 1285 |
| 13. 已矣篇 | 1287 |
| 14. 窃位篇 | 1289 |
| 15. 躬自篇 | 1291 |
| 16. 不曰篇 | 1293 |
| 17. 群居篇 | 1295 |
| 18. 义以篇 | 1298 |
| 19. 病无篇 | 1300 |
| 20. 疾没篇 | 1302 |
| 21. 求诸篇 | 1304 |
| 22. 矜而篇 | 1306 |
| 23. 不以篇 | 1308 |
| 24. 有一篇 | 1310 |
| 25. 吾之篇 | 1313 |

CONTEN
TS

卫灵公篇

| | |
|------|---------|
| 1316 | 26. 吾犹篇 |
| 1319 | 27. 巧言篇 |
| 1321 | 28. 众恶篇 |
| 1323 | 29. 人能篇 |
| 1325 | 30. 过而篇 |
| 1327 | 31. 吾尝篇 |
| 1330 | 32. 谋道篇 |
| 1333 | 33. 知及篇 |
| 1337 | 34. 不可篇 |
| 1339 | 35. 民之篇 |
| 1342 | 36. 当仁篇 |
| 1344 | 37. 贞而篇 |
| 1346 | 38. 事君篇 |
| 1348 | 39. 有教篇 |
| 1350 | 40. 道不篇 |
| 1352 | 41. 辞达篇 |
| 1354 | 42. 师冕 |

季氏篇

季氏篇第十六

- | | |
|---------|------|
| 1. 季氏篇 | 1359 |
| 2. 天下篇 | 1373 |
| 3. 禄之篇 | 1378 |
| 4. 三友篇 | 1380 |
| 5. 三乐篇 | 1383 |
| 6. 侍于篇 | 1386 |
| 7. 三戒篇 | 1389 |
| 8. 三畏篇 | 1393 |
| 9. 生而篇 | 1396 |
| 10. 九思篇 | 1399 |
| 11. 见善篇 | 1403 |
| 12. 千驷篇 | 1407 |
| 13. 陈亢篇 | 1410 |
| 14. 邦君篇 | 1415 |

CONTENTS

阳
货
篇

阳货篇第十七

| | | |
|------|-----|-----|
| 1421 | 1. | 阳货篇 |
| 1425 | 2. | 相近篇 |
| 1427 | 3. | 唯上篇 |
| 1429 | 4. | 子之篇 |
| 1433 | 5. | 公山篇 |
| 1436 | 6. | 子张篇 |
| 1440 | 7. | 佛肸篇 |
| 1444 | 8. | 由也篇 |
| 1448 | 9. | 小子篇 |
| 1451 | 10. | 子谓篇 |
| 1454 | 11. | 礼云篇 |
| 1456 | 12. | 色厉篇 |
| 1458 | 13. | 乡原篇 |
| 1460 | 14. | 道听篇 |
| 1462 | 15. | 鄙夫篇 |
| 1465 | 16. | 古者篇 |
| 1468 | 17. | 巧言篇 |
| 1469 | 18. | 恶紫篇 |
| 1472 | 19. | 予欲篇 |
| 1475 | 20. | 孺悲篇 |
| 1478 | 21. | 三年篇 |
| 1485 | 22. | 饱食篇 |
| 1488 | 23. | 尚勇篇 |
| 1491 | 24. | 恶乎篇 |
| 1496 | 25. | 女子篇 |
| 1499 | 26. | 见恶篇 |

微

子

篇

CONTENTS

微子篇第十八

- | | |
|---------|------|
| 1. 微子篇 | 1503 |
| 2. 三黜篇 | 1506 |
| 3. 若季篇 | 1509 |
| 4. 齐人篇 | 1512 |
| 5. 楚狂篇 | 1514 |
| 6. 长沮篇 | 1518 |
| 7. 从而篇 | 1524 |
| 8. 逸民篇 | 1533 |
| 9. 大师篇 | 1539 |
| 10. 周公篇 | 1542 |
| 11. 周有篇 | 1545 |

子张篇第十九

| | |
|------|---------|
| 1549 | 1. 士见篇 |
| 1551 | 2. 执德篇 |
| 1554 | 3. 云何篇 |
| 1558 | 4. 小道篇 |
| 1561 | 5. 日知篇 |
| 1563 | 6. 博学篇 |
| 1566 | 7. 百工篇 |
| 1568 | 8. 小人篇 |
| 1570 | 9. 三变篇 |
| 1572 | 10. 信而篇 |
| 1575 | 11. 大德篇 |
| 1578 | 12. 小子篇 |
| 1582 | 13. 仕而篇 |
| 1584 | 14. 丧致篇 |
| 1586 | 15. 吾友篇 |
| 1588 | 16. 堂堂篇 |
| 1590 | 17. 自致篇 |
| 1592 | 18. 孝也篇 |
| 1594 | 19. 士师篇 |
| 1597 | 20. 紂之篇 |
| 1600 | 21. 过也篇 |
| 1602 | 22. 焉学篇 |
| 1606 | 23. 贤于篇 |
| 1610 | 24. 无以篇 |
| 1613 | 25. 子为篇 |

尧
曰
篇

尧曰篇第二十

-
- | | | | |
|----|-----|-------|------|
| 1. | 尧曰篇 | | 1619 |
| 2. | 何如篇 | | 1629 |
| 3. | 不知篇 | | 1638 |

子路篇 第十三

1. 先之篇

子路问政。子曰：“先之劳之。”请益。曰：“无倦。”

怎样当官？当官的应该做什么？这大概是古今中外政界都普遍关心的问题，虽然关心的目的和用意各不相同。孔子认为，“政”就是“正”，“治”就是“直”。即只有正直的人才能从政，才能治国。但如何才能“正”，如何才能“直”呢？切入点不同，看法自然有异。就是孔子自己，对于“政”的问题，也有许多不同的看法。当然，这些看法综合起来，就是孔子关于“政”的深入认识。

当子路向孔子“问政”的时候，孔子回答说：“先之劳之。”意思是说，自己先以身作则，为民众起好带头作用，民众自然会跟随着你，努力做，认真干。子路请孔子多讲一点，以便给自己更多的启发。孔子简单地说：“无倦。”意思是说，任何时候，都不要懈怠。

子路为人正直，性格刚烈，做事比较莽撞。孔子将“政”释义为“先之劳之”“无倦”，可以说是从子路的实际出发，给予弟子比较具体的指导。像子路这样性格刚烈之人，遇事是比较容易冲动的。如果从政的话，冲动不仅害人，而且害己。孔子的“先之劳之”，就是劝告子路要谨言慎行。

“先之劳之”的“先”，就是率先、领先的意思，目的是起到引导、指导的作用；所谓的“教化”，强调的就是这样的意思；

“劳”是勤劳的意思；“之”指的是民众。“请益”的“益”，是增加的意思。“无倦”的意思是不厌倦、不松懈。

Arthur Waley 将其译为：

Tzu-lu asked about government. The Master said, Lead them; encourage them! Tzu-lu asked for a further maxim. The Master said, Untiringly.

辜鸿铭将其译为：

A disciple of Confucius enquired how to conduct the government of country.

Confucius answered, “Go before the people with your example; show them your exertion.” The disciple asked for something more. “Before indefatigable in that.” replied Confucius.

丘氏昆仲将其译为：

Zi Lu asked about government. The Master said, “Lead the people and labor for them.”

The disciple asked for elaboration. “Be tireless,” said the Master.

Arthur Waley 和丘氏昆仲将“问政”的“政”简单地译作 about government。意思似乎是明确的，但实际上却是空泛的。辜氏将其译作 how to conduct the government of country，比 Arthur Waley 和丘氏昆仲之译要深入一些，但似乎也还不够具体。实际上这里的“问政”，指的是 how to work in the government 或 how to be an official。

对于“先之劳之”，Arthur Waley 译作 Lead them; encourage them，结构简洁，但含义却不太明确。不但不明确，似乎还有忽悠他人之嫌。“先之”说的是自己先以身作则，好好干活。“劳之”有不同的见解，有的理解为当官的自己“劳”，有的理解为引导民众去“劳”。辜氏将其译作 Go before the people with your example;